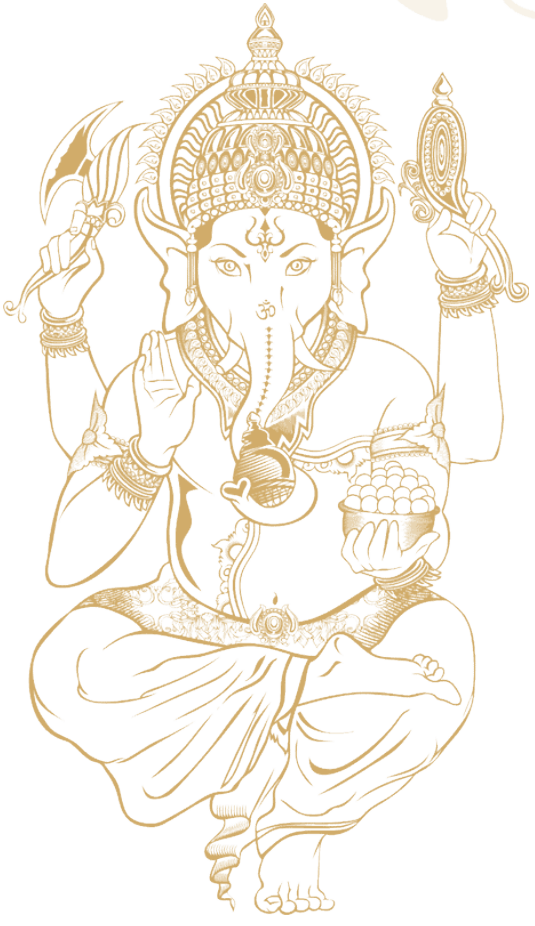

Mahek

02 Jan 2006

12:05 AM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121279003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/01/2006**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:05:00 घंटे**
इष्ट	42:06:07 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:43:04 घंटे
वेलान्तर	-00:03:27 घंटे
साम्पातिक काल	06:28:09 घंटे
सूर्योदय	07:14:33 घंटे
सूर्यास्त	17:36:29 घंटे
दिनमान	10:21:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:16:14 धनु
लग्न के अंश	12:16:04 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	हर्षण
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:16:04	318:17:05	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			धनु	17:16:14	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	10:00:17	14:55:34	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			मेष	17:19:38	00:15:05	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			धनु	02:52:23	01:29:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	19:29:08	00:09:36	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र	व		मक	06:05:03	00:20:31	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	15:55:53	00:03:59	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	14:41:56	00:10:12	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	14:41:56	00:10:12	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:48:33	00:02:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	22:03:45	00:01:57	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:58:37	00:02:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	12:31:13	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:25

लग्न-चलित

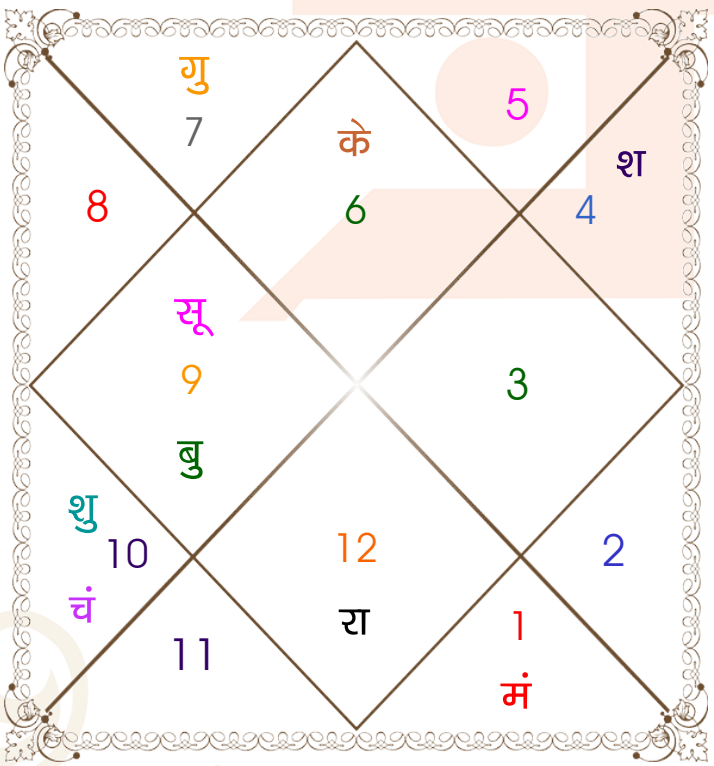

चन्द्र कुंडली

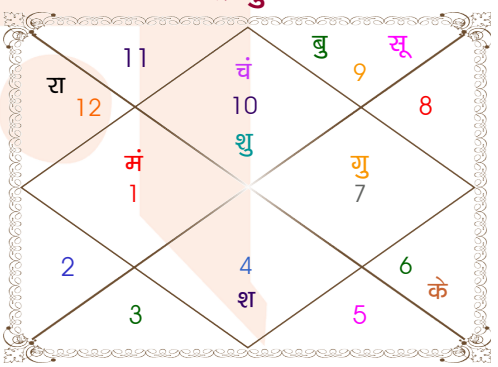

नवमांश कुंडली

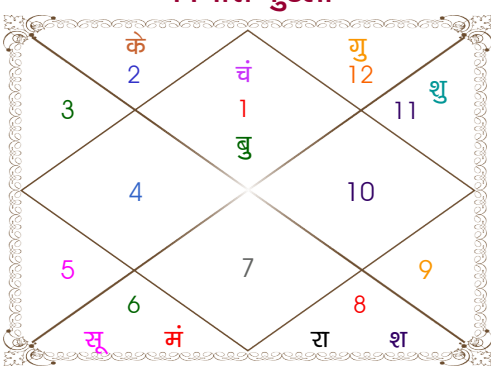

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 11 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/01/2006		01/01/2016		31/12/2022		31/12/2040		31/12/2056	
01/01/2016		31/12/2022		31/12/2040		31/12/2056		01/01/2076	
चंद्र	01/11/2006	मंगल	29/05/2016	राहु	13/09/2025	गुरु	18/02/2043	शनि	04/01/2060
मंगल	02/06/2007	राहु	16/06/2017	गुरु	06/02/2028	शनि	31/08/2045	बुध	13/09/2062
राहु	01/12/2008	गुरु	23/05/2018	शनि	13/12/2030	बुध	07/12/2047	केतु	23/10/2063
गुरु	02/04/2010	शनि	02/07/2019	बुध	02/07/2033	केतु	12/11/2048	शुक्र	22/12/2066
शनि	01/11/2011	बुध	28/06/2020	केतु	20/07/2034	शुक्र	14/07/2051	सूर्य	04/12/2067
बुध	01/04/2013	केतु	24/11/2020	शुक्र	20/07/2037	सूर्य	01/05/2052	चंद्र	05/07/2069
केतु	31/10/2013	शुक्र	25/01/2022	सूर्य	14/06/2038	चंद्र	31/08/2053	मंगल	13/08/2070
शुक्र	02/07/2015	सूर्य	01/06/2022	चंद्र	13/12/2039	मंगल	07/08/2054	राहु	19/06/2073
सूर्य	01/01/2016	चंद्र	31/12/2022	मंगल	31/12/2040	राहु	31/12/2056	गुरु	01/01/2076

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/01/2076		31/12/2092		01/01/2100		02/01/2120		01/01/2126	
31/12/2092		01/01/2100		02/01/2120		01/01/2126		00/00/0000	
बुध	29/05/2078	केतु	29/05/2093	शुक्र	03/05/2103	सूर्य	20/04/2120	चंद्र	03/01/2126
केतु	27/05/2079	शुक्र	29/07/2094	सूर्य	02/05/2104	चंद्र	20/10/2120		00/00/0000
शुक्र	26/03/2082	सूर्य	04/12/2094	चंद्र	01/01/2106	मंगल	25/02/2121		00/00/0000
सूर्य	31/01/2083	चंद्र	05/07/2095	मंगल	03/03/2107	राहु	20/01/2122		00/00/0000
चंद्र	01/07/2084	मंगल	01/12/2095	राहु	03/03/2110	गुरु	08/11/2122		00/00/0000
मंगल	29/06/2085	राहु	19/12/2096	गुरु	01/11/2112	शनि	21/10/2123		00/00/0000
राहु	16/01/2088	गुरु	25/11/2097	शनि	02/01/2116	बुध	26/08/2124		00/00/0000
गुरु	23/04/2090	शनि	04/01/2099	बुध	02/11/2118	केतु	01/01/2125		00/00/0000
शनि	31/12/2092	बुध	01/01/2100	केतु	02/01/2120	शुक्र	01/01/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।